सीआईएमपी में नवाचार, डिजाइन और उद्यमिता पर कार्यशाला 20-21 को

(आज समाचार सेवा)

पटना (आससे)। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) एआईसीटीई और शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ (एमआईसी) के सहयोग से 20 और 21 नवंबर 2025 को अपने मीठापुर स्थित परिसर में नवाचार, डिज़ाइन और उद्यमिता (आईडीई) पर दो दिवसीय आवासीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। यह कार्यक्रम स्कूल नवाचार प्रतियोगिता (पीएम श्री स्कूल) के तहत आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यशाला का उद्देश्य जिला शिक्षा अधिकारियों, डीआईईटी के संकाय सदस्यों और एससीईआरटी अधिकारियों की नवाचार क्षमता को मजबूत करना है, ताकि वे नवाचार-आधारित शिक्षा, डिज़ाइन थिंकिंग और उद्यमिता आधारित समस्या-समाधान पद्धतियों को और बेहतर समझ सकें। कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा संचालित सत्र, व्यावहारिक अभ्यास और सहकर्मी शिक्षण शामिल रहेगा। इन सत्रों कों देश के प्रमुख नवाचार संस्थानों, इन्क्यूबेशन केंद्रों

और उद्योग से जुड़े अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा संचालित किया जाएगा। कार्यशाला में शामिल प्रमुख विशेषज्ञों में डॉ. अभय जेरे (एमआईसी), श्री विभम व्यास (एआईसीटीई, दिल्ली), सुश्री गौरी गोपीनाथ (वाधवानी फाउंडेशन), श्री जोसेफ पॉल अर्कल्याण (आईआईटी पटना इन्क्यूबेशन सेंटर), प्रमोद कर्ण (एआईसीबीवी फाउंडेशन) और डॉ. मोहम्मद सफीउल्लाह (सीएनएलयू इन्क्यूबेशन सेंटर) शामिल हैं। सीआईएमपी के निदेशक प्रो. (डॉ.) राणा सिंह ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएँ शिक्षा क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों की उपस्थिति से प्रतिभागियों को नई सीख और गहन चर्चाओं का लाभ मिलेगा। सीआईएमपी बिज़नेस इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन फ़ाउंडेशन के सीईओ श्री कुमोद कुमार ने कहा कि यह कार्यशाला स्कूली शिक्षा में नवाचार को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उनका कहना है कि इससे शिक्षकों को रचनात्मकता, डिज़ाइन थिंकिंग और उद्यमशीलता की समझ विकसित करने में मदद मिलेगी।

Aaj ! Page No- 08 ! Date - 20-11-2025 !

CIMP में होगी नवाचार उद्यमिता पर कार्यशाला

दो दिवसीय आवासीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का होगा आयोजन.

patna@inext.co.in

PATNA(19 Nov): सीआइएमपी, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ (एमआईसी) के सहयोग से 20-21 नवंबर को नवाचार, डिजाइन और उद्यमिता (आइडीई) पर दो दिवसीय आवासीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा. सीआइएमपी परिसर में कार्यशाला स्कूल नवाचार प्रतियोगिता (पीएम श्री स्कूल) के अंतर्गत आयोजित की जा रही है. इसका उद्देश्य जिला शिक्षा अधिकारियों, डीआइईटी संकाय सदस्यों और एससीईआरटी अधिकारियों की नवाचार-आधारित शिक्षा, डिजाइन थिंकिंग पद्धतियों और उद्यमिता-आधारित समस्या-समाधान दृष्टिकोणों के प्रति उनकी पहुंच को मजबूत करके उनकी नवाचार क्षमता को बढ़ाना है. सीआइएमपी के निदेशक प्रो. राणा सिंह ने बताया कि कार्यशाला में विशेषज्ञों के नेतृत्व वाले सत्र, व्यावहारिक अभ्यास और सहकर्मी शिक्षण शामिल हैं, जो अग्रणी राष्ट्रीय नवाचार निकायों, इन्क्यूबेशन केंद्रों और उद्योग के अनुभवी पेशेवरों द्वारा प्रदान किए जाते हैं. इसमें डा. अभय जेरे, मुख्य नवाचार अधिकारी मानव संसाधन विकास मंत्रालय, विभम व्यास, स्टार्टअप फेलो और क्षेत्रीय समन्वयक, एआईसीटीई दिल्ली (एमआईसी), गौरी गोपीनाथ, उद्योग विशेषज्ञ, वाधवानी फाउंडेशन, जोसेफ पाल अर्कल्याण महाप्रबंधक इनक्यूबेशन सेंटर आइआइटी पटना, विशेषज्ञ वक्ता होंगे.

I Next ! Page No - 04 ! Date - 20-11-2025 !

मखाने के लिए उत्पादक बाजार की जरूरत

जागरण संवाददाता, पटनाः भारत सरकार के पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक (सीजीपीडीटीएम) कार्यालय के सहयोग से बुधवार को सीआइएमपी में 'जीआइ मंथनः मिथिला मखाना क्षेत्र को सुदृढ़ बनाना' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया। गोलमेज सम्मेलन में संस्थागत नेताओं, उद्योग विशेषज्ञों, उद्यमियों और शोधकर्ताओं ने भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय मखाना बोर्ड की घोषणा के बाद मिथिला मखाना पारिस्थितिकी तंत्र की वर्तमान स्थिति का आकलन किया। प्रतिभागियों ने मिथिला मखाना की वैश्विक पहचान और मूल्य को सुरक्षित करने के लिए नीतिगत सुसंगतता, बाजार विकास और जीआइ शासन को मजबूत करने पर विचार-विमर्श किया।

पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक प्रो. उन्नत पी. पंडित ने मिथिला मखाना के प्रति वैश्विक विश्वास बनाने के लिए मजबूत संस्थागत ढांचे, मजबूत उत्पादक-बाजार संपर्क और स्पष्ट जीआइ शासन प्रोटोकाल की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत के भौगोलिक संकेतकों की सफलता आपूर्ति श्रृंखला में पारदर्शिताऔर प्रामाणिकता पर निर्भर करती है।

ग्रामीण उत्पादकों को सहायता दी जाएगी

पटना डाक सेवा के निदेशक पवन कुमार ने बताया कि भारतीय डाक लाजिस्टिक्स एकीकरण, ई-कामर्स सक्षमता और अंतिम छोर तक डिलीवरी समाधान के माध्यम से ग्रामीण उत्पादकों को सहायता प्रदान कर सकता है। इससे मखाना किसानों और एफपीओ को राष्ट्रीय और अतंरराष्ट्रीय बाजारों तक अधिक कुशलता से पहुंचने में मदद मिलेगी। सीआइएमपी के सीएओ कुमोद कुमार ने कहा कि मखाना मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के लिए क्षमता निर्माण हस्तक्षेप की आवश्यकता है। तकनीकी कौशल के अलावा, उत्पादक समूहों, किसान उत्पादक संगठनों और छोटे व्यवसायों के लिए संरचित प्रबंधन प्रशिक्षण ही इस क्षेत्र को वास्तव में सशक्त बनाएगा। सीआइएमपी के प्रो. सुनील कुमार ने मिथिला मखाना के आर्थिक महत्व पर चर्चा की, उचित मूल्य निर्धारण माडल, मूल्य के समान वितरण को सुनिश्चित करने की आवश्यकता और बासमती और दार्जिलिंग जीआइ ढांचे से सीखे गए सबक पर ध्यान आकर्षित किया। मिथिला नेचुरल्स के संस्थापक और सीईओ मनीष आनंद ने उद्यमशीलता के दृष्टिकोण को साझा किया, जिसमें ब्रांडिंग, निर्यात तत्परता और मखाना आधारित उत्पादों के लिए एक प्रीमियम वैश्विक पहचान बनाने के लिए मिथिला की विरासत का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

Dainik Jagran ! Page No - 17 ! Date - 20-11-2025 !

सीआइएमपी में नवाचार और उद्यमिता पर कार्यशाला होगी

जासं, पटना: सीआइएमपी, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ (एमआईसी) के सहयोग से 20-21 नवंबर को नवाचार, डिजाइन और उद्यमिता (आइडीई) पर दो दिवसीय आवासीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

सीआइएमपी परिसर में कार्यशाला स्कूल नवाचार प्रतियोगिता (पीएम श्री स्कूल) के अंतर्गत आयोजित की जा रही है। इसका उद्देश्य जिला शिक्षा अधिकारियों, डीआइईटी संकाय सदस्यों और एससीईआरटी अधिकारियों की नवाचार-आधारित शिक्षा, डिजाइन थिंकिंग पद्धतियों और उद्यमिता-आधारित समस्या-समाधान दृष्टिकोणों के प्रति उनकी पहुंच को मजबूत करके उनकी नवाचार क्षमता को बढ़ाना है। सीआइएमपी के निदेशक प्रो. राणा सिंह ने बताया कि कार्यशाला में विशेषज्ञों के नेतृत्व वाले सत्र, व्यावहारिक अभ्यास और सहकर्मी शिक्षण शामिल हैं। इसमें डा. अभय जेरे, मुख्य नवाचार अधिकारी मानव संसाधन विकास मंत्रालय, विभम व्यास, गौरी गोपीनाथ, जोसेफ पाल, प्रमोद कर्ण सहित कई विशेषज्ञ वक्ता होंगे।

Dainik Jagran ! Page No - 15 ! Date - 20-11-2025 !

जीआई मंथन : मखाना क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने पर व्याख्यान

पटना। ऑनलाइन (वेबएक्स) भारत सरकार के पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक (सीजीपीडीटीएम) कार्यालय ने प्रज्ञा संस्थान, एशिया स्थित विधि एवं महत्वपूर्ण उभरती प्रौद्योगिकी केंद्र, चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआईएमपी), टीआईई पटना, स्टार्टअप बिहार और बिहार सरकार के उद्योग विभाग के सहयोग से 19 नवंबर 2025 को जीआई मंथन : मिथिला मखाना क्षेत्र को सुदृढ़ बनाना का सफलता पूर्वक आयोजन किया। इस गोलमेज सम्मेलन में संस्थागत नेताओं, उद्योग विशेषज्ञों, उद्यमियों और शोधकर्ताओं ने भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय मखाना बोर्ड की घोषणा के बाद मिथिला मखाना पारिस्थितिकी तंत्र की वर्तमान स्थिति का आकलन किया। प्रतिभागियों ने मिथिला मखाना की वैश्विक पहचान और मूल्य को सुरक्षित करने के लिए नीतिगत सुसंगतता, बाजार विकास और जीआई शासन को मजबूत करने पर विचार-विमर्श किया। इस सत्र की अध्यक्षता पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक, प्रो उन्नत पी पंडित ने की जिन्होंने मिथिला मखाना के प्रति वैश्विक विश्वास बनाने के लिए मजबूत संस्थागत ढांचे, मजबूत उत्पादक-बाजार संपर्क और स्पष्ट जीआई शासन प्रोटोकॉल की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत के भौगोलिक संकेतकों की सफलता आपूर्ति श्रृंखला में पारदर्शिता, पता लगाने की क्षमता और प्रामाणिकता पर निर्भर करती है। जीआई प्रमाणन में आगामी सुधार सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं, डिजिटल पता लगाने की क्षमता और मिथिला मखाना के लिए एक मानकीत जीआई लोगो को अपनाने पर केंद्रित होंगे जो बाजार में भ्रम को कम करने और विश्वसनीयता को मजबूत करने के लिए डिजाइन किए गए उपाय हैं। पटना डाक सेवा के निदेशक पवन कुमार ने बताया कि किस प्रकार भारतीय डाक लॉजिस्टिक्स एकीकरण, ई-कॉमर्स सक्षमता और अंतिम छोर तक डिलीवरी समाधान के माध्यम से ग्रामीण उत्पादकों को सहायता प्रदान कर सकता है जिससे मखाना किसानों और एफपीओ को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक अधिक कुशलता से पहुंचने में मदद मिलेगी।

Rashtriya Sahara ! Page No - 04 ! Date - 20-11-2025 !

दो दिवसीय आवासीय क्षमता निर्माण कार्यशाला कल से

पटना। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ (एमआईसी) के सहयोग से 20-21 नवंबर को सीआईएमपी परिसर मीठापुर में नवाचार, डिजाइन और उद्यमिता (आईडीई) पर दो दिवसीय आवासीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। यह कार्यशाला स्कूल नवाचार प्रतियोगिता (पीएम श्री स्कूल) के अंतर्गत आयोजित की जा रही है। इसका उद्देश्य जिला शिक्षा अधिकारियों, डीआईईटी संकाय सदस्यों और एससीईआरटी अधिकारियों की नवाचार-आधारित शिक्षा, डिजाइन थिंकिंग पद्धतियों और उद्यमिता-आधारित समस्या-समाधान दृष्टिकोणों के प्रति उनकी पहुंच को मजबूत कर उनकी नवाचार क्षमता को बढ़ाना है। कार्यशाला में विशेषज्ञों के नेतृत्व वाले सत्र, व्यावहारिक अभ्यास और सहकर्मी शिक्षण शामिल हैं जो अग्रणी राष्ट्रीय नवाचार निकायों, इन्क्यूबेशन केंद्रों और उद्योग के अनुभवी पेशेवरों द्वारा प्रदान किए जाते हैं। कार्यशाला में विशेषज्ञ डॉ. अभय जेरे, मुख्य नवाचार अधिकारी, केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमआईसी), विभम व्यास, स्टार्टअप फेलो और क्षेत्रीय समन्वयक, एआईसीटीई दिल्ली (एमआईसी) सुश्री गौरी गोपीनाथ, उद्योग विशेषज्ञ, वाधवानी फाउंडेशनय जोसेफ पॉल अर्कल्याण, महाप्रबंधक, इनक्यूबेशन सेंटर, आईआईटी पटना (आईसी आईआईटीपी), प्रमोद कर्ण, सीओओ, एआईसीबीवी फाउंडेशन (अटल इनक्यूबेशन सेंटर) और डॉ. सफीउल्लाह, सहायक प्रोफेसर और निदेशक, आईक्यूएसी, सेंटर फॉर इनोवेशन एंड लीगल फाउंडेशन (सीएनएलयू इनक्यूबेशन सेंटर) होंगे। सीआईएमपी के निदेशक प्रो. राणा सिंह ने कहा कि हमें इस तरह की कार्यशालाओं का आयोजन करते हुए बेहद खुशी हो रही है। मुझे अपने सम्मानित सदस्यों का स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है।

Rashtriya Sahara ! Page No - 04 ! Date - 20-11-2025 !

मिथिला मखाना को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए पटना में हुआ 'जीआई मंथन' सम्मेलन

पटना (आससे)। भारत सरकार के पेटेंट, डिज़ाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक (सीजीपीडीटीएम) कार्यालय के नेतृत्व में पटना में 'जीआई मंथन- मिथिला मखाना क्षेत्र को सुदृढ़ बनाना' विषय पर राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रज्ञा संस्थान, सीआईएमपी, टीआईई पटना, स्टार्टअप बिहार और उद्योग विभाग, बिहार सरकार के सहयोग से किया गया।

सम्मेलन में विशेषज्ञों, उद्यमियों और संस्थागत प्रतिनिधियों ने मिथिला मखाना पारिस्थितिकी तंत्र की वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। सीजीपीडीटीएम के महानियंत्रक प्रो. उन्नत पी. पंडित ने कहा कि मखाना की वैश्विक विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए मजबूत संस्थागत ढांचा, पारदर्शी आपूर्ति श्रृंखला और प्रभावी जीआई शासन आवश्यक है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में जीआई प्रमाणन प्रक्रियाओं को डिजिटल ट्रेसिंग, सुव्यवस्थित प्रणाली और मानकीकृत जीआई लोगो के माध्यम से और मजबूत किया जाएगा। भारतीय डाक सेवा के निदेशक पवन कुमार ने बताया कि ई-कॉमर्स तथा लॉजिस्टिक्स सहायता से ग्रामीण उत्पादकों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँच आसान होगी। सीआईएमपी के विशेषज्ञों ने क्षमता निर्माण, प्रबंधन प्रशिक्षण और गुणवत्ता सुधार को क्षेत्र के विकास की अनिवार्य शर्त बताया। उद्यमियों ने ब्रांडिंग, निर्यात तथा जैविक प्रमाणन की जरूरत पर जोर दिया। समापन सत्र में मिथिला मखाना को समुदाय-प्रथम, बाज़ार-अग्रणी दृष्टिकोण से विकसित करने की आवश्यकता दोहराई गई।

Aaj ! Page No - 04 ! Date - 20-11-2025 !

सीआइएमपी में राष्ट्रीय कार्यशाला आज से

पटना. चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) में शिक्षकों की नवाचार क्षमता बढ़ाने को दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन होगा. कार्यशाला गुरुवार और शुक्रवार को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीइ) और शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ के सहयोग से आयोजित होगी.

Prabhat Khabar 1
Page No - 09 !
Date - 20-11-2025 !